परियोजना का नाम :– मसूरी सीवरेज योजना (आरकेडिया ज़ोन)

भू–वैज्ञानिक की आख्या

भू–वैज्ञानिक की आख्या संलग्न है।

प्रयोक्ता एजेन्सी

Executive Engineer
Construction Division
Uttarakhand Peyjal Nigam
Mussoorie (Dehradun)

प्रेषक,

भूवैज्ञानिक,
भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई,
जिला टास्क फोर्स कार्यालय,
देहरादून।

सेवा में,

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण शाखा
उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास
एवं निर्माण निगम मसूरी (देहरादून)।

2459
एस0ई0-टी0एच0
222
25/9/13

संख्या: 54 / जि0टा0फो0–दे0दून / भू0नि0आ0 / 2013–14

दिनांक 25 सितम्बर, 2013

विषय:, **मसूरी सिवरेज योजना के अन्तर्गत मसूरी में प्रस्तावित विभिन्न स्थलों पर सीवेज ट्रीटमेन्ट प्लान्ट की भूमि का भूगर्भीय सर्वेक्षण कराने के सम्बन्ध में।**

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके कार्यालय के पत्र सं0 1894 / एस0टी0पी0 / 75 दिनांक 22–09–2012 के द्वारा संदर्भित स्थलों का भूगर्भीय निरीक्षण श्री आर0डी शुक्ला , श्री मनमोहन सरपाल, सहायक अभियन्ता, श्री आर के त्रिपाठीएवं श्री राजेन्द्र चौधरी, अपर सहायक अभियन्ता, उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम मसूरी तथा श्री पवन कुमार प्रोजेक्ट मेनेजर, पी0के0 इन्फास्ट्रेक्चर की उपस्थिति में दिनांक 18–07–2013 को सम्पन्न किया गया। सन्दर्भित स्थलों से सम्बन्धित विवरण क्षमता व भूमि उपलब्धता की छायाप्रति संलग्न है।

आरकेडिया :–

प्रश्नगत संदर्भित स्थल मसूरी में केमल बैक मार्ग पर , मार्ग के उत्तर की ओर स्थित पहाडी पर अवस्थित है। सम्पूर्ण क्षेत्र में मसूरी ग्रुप की क्रोल फारमेशन की लाईम स्टोन चट्टानें है। स्थल की ऊँचाई समुद्रतल से 1879मी0 पर निम्न अंक्षाश व देशान्तर पर स्थित है।

उत्तर 30^{0} 27' 31.0''
पूरब 78^{0} 04' 40.2''

स्थल की सामान्य ढाल 40^{0} उत्तर की ओर है, स्थल एक रिज पर स्थित है।

भट्टाफाल :–

प्रश्नगत सन्दर्भित स्थल देहरादून मसूरी मोटर मार्ग के बांयी ओर भट्टाफाल लिंक रोड से लगभग 500मी0 की दूरी पर भट्टा नाले के समीप स्थित है। जो कि समुद्र तल से लगभग 1456 मी0 की ऊँचाई पर निम्न अक्षांश व देशान्तर पर स्थित है।

उत्तर 30^{0} 26' 11.7''
पूरब 78^{0} 04' 33.7''

सम्पूर्ण स्थल पर मसूरी ग्रुप की क्रोल फॉरमेशन की चूना पत्थर की चट्टानें हैं । पहाडी का सामान्य ढाल उत्तर पूर्व 50° है। नाले के समीप भूमि का कुछ भाग चट्टानों के टूटी–फूटी अवस्था में होने के कारण भूस्खलन से भी प्रभावित है।

Assistant Engineer
Construction Division
Uttarakhand Peyjal Nigam
Mussoorie (Dehradun)

क्षेत्र से प्राप्त तकनीकी आंकडे एवं भूगर्भीय स्थिति को देखते हुये स्थल पर टैंक का निर्माण निम्नलिखित सुझाव एवं शर्तो का पालन करते हुये भूगर्भीय दृष्टिकोण से उचित होगा।

सुझावो / शर्तेः–

1. स्थल भूकम्पीय क्षेत्र के अन्तर्गत आता है। अतः टैंक का निर्माण बीम व कॉलम पर आधारित आवश्यक होगा।
2. प्रस्तावित स्थलों पर सीवर टैंक का निर्माण होना है। अतः टैंक की नींव चट्टानों / समुचित गहराई पर रखना आवश्यक है।
3. चूंकि कई स्थल पर मृदा का आवरण है इसलिये स्वास्थानें चट्टानों का आंकलन सम्भव नहीं है। अतः 01 मी० मृदा के आवरण के पश्चात अगर मृदा मिलती है तो स्थल का कोन पेनिटरेशन टेस्ट आवश्यक होगा।
4. भूमि का स्वाइलटेस्ट करवाना भी उचित होगा।
5. टैंक के आस–पास अतिवृष्टि को दृष्टिगत रखते हुये पानी की निकासी हेतु उचित नालियों का निर्माण आवश्यक होगा।
6. टैंक का निर्माण उत्तराखण्ड शासन द्वारा जारी शासनादेश उचित सिविल इंजीनियरिगं मानको के अन्तर्गत कराया जाना आवश्यक होगा।
7. कई प्रस्तावित टैंक नाले के किनारे प्रस्तावित हैं। अतः टैंक की सुरक्षा हेतु रिटेनिगं वॉल का निर्माण आवश्यक होगा।

भवदीय,

(राजेन्द्र शुक्ला)
भूवैज्ञानिक

पृष्ठांकः / जि०टा०फो०--दे०दून / भू०नि०आ० / 2013–14 तददिनांक।

प्रतिलिपि निदेशक भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड देहरादून को सूचनार्थ / आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित ।

(राजेन्द्र शुक्ला)
भूवैज्ञानिक

Assistant Engineer
Construction Division
Uttarakhand Peyjal Nigam
Mussoorie (Dehradun)